अनुसंधान में सत्य-निष्ठा

प्रस्तावना

अनुसंधान का महत्त्व और सम्मान इमानदारी और विश्वसनीयता पर निर्भर करता है. अनुसंधान के क्षेत्र मे राष्ट्रीय और पारंपारिक मतभेद अपेक्षित है, परंतु सच्चाई का पालन करना अत्यावशक है.

सिद्धांत

अनुसंधान के सभी पहलुओं में इमानदारी

अनुसंधान के आचरण में जिम्मेदारी

व्यावसायिक और दूसरों के साथ काम करने में शिष्टाचार और निष्पक्षता

अनुसंधान के क्षेत्र में उचित मार्गदर्शन और नेतृत्व

जिम्मेदारियां:

१. **इमानदारी :** वैज्ञानिकों को अपने अनुसंधान की इमानदारी के लिए स्वयं जिम्मेदारी लेनी है
२. **नियमों का पालन :** अनुसंधान से संबंधित सभी नियमों और नीतियों की जानकारी होना और पालन करना आवश्यक है.
३. **अनुसंधान की पद्धती:** वैज्ञानिकों को उपयुक्त और उचित विधियों का प्रयोग करना जरूरी है, और सबूत के महत्वपूर्ण निष्कर्ष निष्पक्षता से पेश करना भी जरूरी है.
४. **अनुसंधान की नोंद :** अनुसंधान के सभी मायनों की स्पष्ट और सरल सूचना लिखनी जरुरी है, ताकि आप की पद्धती किसी भी प्रयोगशाला में दोहराई जा सके.
५. **अनुसंधान के अविष्कार:** अनुसंधान के अविष्कार में नियंत्रण और हक़ पाने पर उससे मिले हुए ज्ञान और खोज की घोषणा खुले आम और तुरंत कर देनी चाहिये.
६. **लेखक:** लेखकों को अपने सभी प्रस्तावों और अन्य प्रकाशानों की जिम्मेदारी स्वयं लेनी चाहिए. लेखकों की सूची मे सिर्फ वो शामिल हो शामिल जीन्होने संशोधन मे योगदान दिया हो.
७. **सराहना और धन्यवाद:** जीन्होने मदत कि हो, परंतु, लेखकों की सूची मे शामिल होने के काबिल न हो, उनकी सराहना और उनको धन्यवाद देना उचित समझा जाता है. इस सूची में, प्रायोजक और मदद करने वाले सभी व्याक्तीयों को शामिल किया जाए.
८. **समीक्षा और परीक्षा :** समीक्षा और परीक्षा के दौरान निष्पक्षता से अपनी राय दी जाये. यह राय सिर्फ विज्ञान पर आधारित हो.
९. **निष्पक्षता:** अनुसंधान या उसके प्रकाशन के दौरान निष्पक्षता को ध्यान मे रखकार, वैज्ञानिकों

को किसी भी संघर्ष आदी कठीनायीयोंका खुलासा करना चाहिए.

१०. **विचार - विमर्श और टिप्पणियाँ :** सार्वजनिक विचार- विमर्श के दौरान, सिर्फ विज्ञानं और संशोधन पर अपनी टिप्पणियाँ व्यक्त करे.

११. **लापरवाही :** संशोधन में लापरवाही और गैरजिम्मेदार पद्धतीयोंकी जानकारी उचित अधिकारीयोंको दी जाए. साहित्यिक गैर कानूनी करावयीयाँ, अविश्वसनीय पद्धती, वैज्ञानिक और ग्रांथिक दोशोंकि, और अन्य गलातीयोंकि भी इसमे गिनती होती है. अधिकारीयोंको हर ऐसी गलती की जानकारी होनी आवश्यक है जिसके कारन संशोधन की सच्चाई पर शक होने की संभावना है.

१२. **प्रतिक्रिया और कारवाई:** गैर कानूनी या गैर जीम्मेदाराना पद्धती कि सूचना मिलने पर, पूरी जानकारी और पूँछ-तॉछ के बाद, सन्स्थानों को उचित कारवाही करनी आवश्यक है . ऐसी सूचना देनेवाले को सुरक्शित रख्ने की जीम्मेदारी सन्स्थानों की है.

१३. **इमानदारी का वातावरण और प्रसार:** अनुसंधान में इमानदारी और सच्चाई का प्रसार करने के लिए सभी सन्स्थानों को कर्मचारी और संशोधकों की मदद करनी चाहिए.

१४. **सामाजिक मूल्यनिति:** मुल्यनिती की पहचान यह एक सामाजिक जरुरत है और इसका पालन करना सबका कर्तव्य बनता है.

२१ - २४ जुलाई २०१० को सिंगापुर में अनुसंधान में सत्य-निष्ठा इस विषय पर आयोजित दूसरे विश्व सम्मेलन में, यह "सिंगापुर सिद्धांत" विकसित किया गया था. अनुसंधान में जिम्मेदार आचरण लाने के लिए यह "सिंगापुर सिद्धांत" एक मार्गदर्शक बन सक्ता है. यह कोइ कानूनी दस्तावेज़ नहीं है नाही किसी सरकार अथवा सन्स्थानो का प्रतिनिधित्व करता है. नियमों के बारे में अधिक जानकारी के लिए उचित अधिकारीयों से सलाह लेनी चाहिए.